भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2947

(दिनांक 06.08.2025 को उत्तर देने के लिए)

प्रसारण अवसंरचना नेटवर्क विकास योजना का कार्यान्वयन

2947. श्री राजू बिष्टः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रसारण अवसंरचना नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) योजना के अंतर्गत विगत पाँच वर्षों के दौरान आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत दूरदर्शन और आकाशवाणी अवसंरचना में सुधार हेतु विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) सरकार द्वारा दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में दूरदर्शन और आकाशवाणी की पहुँच सुनिश्चित करने और प्रसारण गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं; और

(घ) भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए स्थानीय या क्षेत्रीय कार्यक्रम तैयार करने हेतु क्या प्रावधान किये गये हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (घ): प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) स्कीम देश में दूरदर्शन और आकाशवाणी की प्रसारण अवसंरचना के विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है।

- यह पश्चिम बंगाल सहित सभी राज्यों को शामिल करते हुए अखिल-भारतीय स्तर की पहल है।
- इसमें ट्रांसमीटरों और स्टूडियों का आधुनिकरण, डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफार्म और डीडी टीवी चैनलों का विस्तार और प्रोडक्शन और ट्रांसमिशन सुविधाओं का उन्नयन शामिल है।
- सामग्री सृजन और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करती है और लोक प्रसारण की पहुंच रणनीतिक, सीमावर्ती और वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ा रही है।
- 2021-26 की अवधि के लिए पूरे भारत में सामग्री विकास और नवाचार के लिए ₹ 450 करोड़ निर्धारित किए गए हैं।
- स्कीम के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में शुरू की गई परियोजनाएं अनुलग्नक-1 में दी गई हैं।
- स्कीम के अंर्तगत प्रयुक्त निधियों का विवरण अनुलग्नक-2 में दिया गया है।

दूरदर्शन और आकाशवाणी की पहुँच बढ़ाने के लिए शुरू की गई कुछ नई पहलों में शामिल हैं:

- प्रसार भारती का ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म "वेव्स" 2024 में लॉन्च किया गया।
    - एक बहु-शैली डिजिटल स्ट्रीमिंग एग्रीगेटर प्लेटफ़ॉर्म जो अनेक भारतीय भाषाओं में इंफोटेनमेंट सामग्री प्रदान करता है।
    - दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क के विभिन्न चैनल इस प्लेटफॉर्म में एकीकृत हैं।
- डीडी फ्री डिश (फ्री-टू-एयर डायरेक्ट-टू-होम)
    - यह 2019 में 104 चैनलों से बढ़कर वर्तमान में 510 चैनलों तक पहुँच गया है।
    - इसमें 92 प्राइवेट चैनल, 50 दूरदर्शन चैनल और 320 शैक्षिक चैनल शामिल हैं।
    - एफएम गोल्ड, रेनबो और विविध भारती सहित 48 आकाशवाणी रेडियो चैनल उपलब्ध हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में व्यूअर्स सहित भारतीय ऑडियंस की सेवा करके, ये समाचार, सूचना, शैक्षिक कार्यक्रमों और प्राइवेट चैनलों तक व्यापक पहुँच में योगदान करते हैं। दूरदर्शन केंद्र (डीडीके) कोलकाता में कार्यक्रम निर्माण के लिए एक अत्याधुनिक स्टूडियो सुविधा है। इसके अतिरिक्त, डीडीके शांतिनिकेतन और डीडीके जलपाईगुड़ी में कार्यात्मक स्टूडियों केंद्र हैं जो स्थानीय सामग्री के निर्माण की पूर्ति करते हैं।

इसी प्रकार, आकाशवाणी कोलकाता के अलावा, सिलीगुड़ी, कुर्सियांग और दार्जिलिंग में आकाशवाणी स्टेशनों में स्थानीय और क्षेत्रीय सामग्री के निर्माण के लिए स्टूडियो सुविधाएं हैं।

*****

अनुलग्नक - 1

पश्चिम बंगाल में बीआईएनडी स्कीम के तहत शुरू की गई परियोजनाएं:

संगठन	परियोजना का विवरण
आकाशवाणी	अलीपुरद्वार में 100 वाट एफएम ट्रांसमीटर की स्थापना
	कलिम्पोंग में 1 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर की स्थापना
	आकाशवाणी कोलकाता में विजुअल रेडियो सिस्टम
	कोलकाता और कुर्सियांग में स्टूडियो का नवीनीकरण
	कोलकाता, कुर्सियांग और सिलीगुड़ी में कूलिंग संयंत्र का प्रतिस्थापन
दूरदर्शन (डीडी)	डीडीके कोलकाता में स्टूडियो और क्षेत्रीय समाचार यूनिटों (आरएनयू) सुविधाओं का अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों के साथ आधुनिकीकरण
	सैटेलाइट प्रसारण उपकरणों के संवर्द्धन एवं प्रतिस्थापन द्वारा कोलकाता स्थित अर्थ स्टेशन का आधुनिकीकरण
	अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराकर कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं का हाई डेफिनिशन (एचडी) में आधुनिकीकरण
	4G/5G मोबाइल समाचार संग्रहण प्रणालियों सहित समाचार प्रोडक्शन उपकरणों का संवर्धन

अनुलग्नक-2

स्कीम के अंतर्गत प्रयुक्त धनराशि:

वित्तीय वर्ष	प्रयुक्त धनराशि (करोड़ रुपये में)
2020-21	201.65
2021-22	159.95
2022-23	163.75
2023-24	344.57
2024-25	213.72

*****